खेल जगत

एक खिलाड़ी के तौर पर इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाना बड़ा दिन है परंतु फिर चोट के कारण बाहर होना बहुत निराशाजनक है।

-विवेक सागर

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, चोट के कारण राष्ट्रमंडल फाइनल नहीं खेलने पर।

आज का खिलाड़ी ▶ विराट कोहली

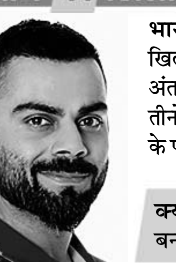

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ होने वालेएशिया कप मुकाबले के दौरानटी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 मैच पूरे कर लेंगे। विराट तीनों फॉर्मेट में 100 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे क्रिकेटर बनने वाले हैं। कोहली ने भारत के लिए अब तक102 टेस्ट और 262 वनडेमैच खेले हैं। इस बीच विराट के करीब दोस्त एबी डिविलियर्स नेउनके 100वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले बधाई दी है। डिविलियर्स लंबे समय तक आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए विराट के साथ खेल चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर को पहला वनडे शतक बनाने के लिए 69 मैचों का और टेस्ट में दोहरा शतक बनाने के लिए लगभग 10 वर्ष का इंतजार करना पड़ा।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

मैनचेस्टर, 28 अगस्त। इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स (103 रन, चार विकेट) के हरफनमौला खेल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट मैच में शनिवार को पारी और 85 रन से मात दी। इसी के साथ शृंखला 1-1 से बराबर हो गयी है। इंग्लैंड ने पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 151 रन के जवाब में 415 रन बनाकर 264 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में कीगन पीटरसन (42) और रैसी वान डेर डुसेन (41) के प्रयासों के बावजूद प्रोटियाज़ 179 रन पर ऑलआउट होकर इंग्लैंड के स्कोर से 85 रन पीछे रह गयी। ओली रॉबिन्सन ने इंग्लिश गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए चार विकेट निकाले, जबकि जेम्स एंडरसन ने तीन विकेट लिये जिसमें कप्तान डीन एल्गर का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। कप्तान स्टोक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन का दक्षिण अफ्रीका के पास कोई जवाब नहीं था। मैन ऑफ द मैच स्टोक्स ने पहली पारी में दो विकेट लिये, और जब इंग्लैंड 147 रन पर पांच विकेट गंवा कर संकट में थी तब स्टोक्स ने शतक जड़ते हुए बेन फोक्स के साथ 173 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने 163 गेंदों की अपनी पारी में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 103 रन बनाये। साथ ही स्टोक्स ने दूसरी पारी में इंग्लैंड के गले का कांटा बने हुए पीटरसन और वान डेर डुसेन का विकेट भी निकाला।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराया

टाउन्सविल, 28 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया ने कैमरून ग्रीन (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद डेविड वॉर्नर (57) के अर्द्धशतक की बदौलत ज़िम्बाब्वे को पहले एकदिवसीय मैच में रविवार को पांच विकेट से मात दी। ज़िम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 201 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 33.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर ज़िम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और 47.3 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट कर दिया। ज़िम्बाब्वे के ऊपरी क्रम ने टीम को मज़बूत शुरुआत दिलायी, लेकिन मध्य क्रम की असफलता के कारण वह बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। वेस्ले माधेवेरे ने ज़िम्बाब्वे के लिये सर्वाधिक 72(91) रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके जड़े। इसके अलावा तदिवनाशे मारूमानी ने 45(61) और कप्तान रेजिस चकब्वा ने 31(33) रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरून ग्रीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नौ ओवर में 33 रन देकर पांच विकेट लिये, जिसमें सिकंदर रज़ा (05) और चकब्वा का विकेट भी शामिल था। इसके अलावा एडम ज़ैम्पा ने तीन विकेट लिये जबकि मिचेल स्टार्क और मिचेल मार्श को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

राहुल शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

पंजाब, 28 अगस्त। भारतीय क्रिकेटर राहुल शर्मा ने रविवार को खेल के सभी प्रारूपों से सन्यास लेने की घोषणा की। पंजाब के रहने वाले राहुल ने 2011 में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, और वह भारत के लिये चार एकदिवसीय और दो टी20 मुकाबले खेल चुके हैं। राहुल अंतराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद अब रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ में नज़र आयेंगे। राहुल ने सन्यास की घोषणा करते हुए कहा, ''यह मेरा सौभाग्य रहा है कि मैंने सबसे ऊंचे स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मुझे इस परिवार में जगह देने के लिये बीसीसीआई का धन्यवाद। देश के लिये खेलना किसी भी खिलाड़ी का मूल लक्ष्य होता है। मैं खुश हूं कि मैं यह उपलब्धि हासिल कर सका।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम की नीली जर्सी पहनना मेरे लिये सबसे यादगार क्षण था। मैं हमेशा इस याद को संजोकर रखूंगा। गौतम गंभीर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, महेंद्र सिंह धोनी, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, रोहित शर्मा, विराट कोहली और सभी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना मेरा सौभाग्य था।''

सैफ महिला चैम्पियनशिप के लिये पुणे में तैयारी करेगी टीम

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। भारतीय महिला फुटबॉल टीम दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ (सैफ) महिला चैंपियनशिप 2022 के लिये पुणे में आयोजित तैयारी शिविर में सोमवार से शामिल होगी। यह चैंपियनशिप नेपाल में 06-19 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। भारतीय महिलाएं तीन सितंबर को नेपाल के लिये रवाना होंगी। पिछली बार की चैंपियन भारत को ग्रुप-ए में मालदीव, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ सात सितंबर को शुरू करेगी। भारतीय टीम के कोच सुरेन छेत्री ने तैयारी शिविर के लिये 26 खिलाड़ियों की संभावित सूची तैयार की है, जिसमें अदिति चौहान, मैबम लिनथोइंगंबी देवी, श्रेया हुड्डा, सौम्या नारायणसामी को बतौर गोलकीपर, जबकि स्वीटी देवी, रितु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मनीसा पन्ना, आरिफा सैयद, मिशेल कास्टान्हा, जूली किशन और संतोष को बतौर डिफेंडर शामिल किया गया है। इसके अलावा अंजू तमांग, कार्तिका अंगमुथु, प्रियंगका देवी, मार्टिना थोकचोम, संध्या रंगनाथन, काविया पक्कीरिसामी, काश्मीना, रतनबाला देवी बतौर मिडफील्डर और दुलार मरांडी, अपर्णा नारजारी, सौम्या गुगुलोथ, रेणु, किरण पिस्दा बतौर फॉर्वर्ड शिविर में शामिल हो सकती हैं।

भारतीय टीम ने विश्व स्केट खेलों से पहले तैयारी शुरू की

जम्मू, 28 अगस्त। भारतीय पुरुष स्केटिंग टीम ने अक्टूबर में होने वाले विश्व स्केट खेलों से पहले मौलाना आज़ाद स्टेडियम के स्केटिंग रिंक में आयोजित प्रशिक्षण कैंप में तैयारी शुरू कर दी है। यह भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ द्वारा आयोजित दूसरा प्रशिक्षण कैंप है, जबकि पहला कैंप पटियाला में 15-30 जून तक आयोजित किया जा चुका है।

भारत ने पाक को 5 विकेट से मात दी

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	गेंद	4	6
मोहम्मद रिजवान का आवेश बो हार्दिक	43	42	4	1
बाबर आजम का अर्शदीप बो भुवनेश्वर	10	9	2	0
फखर जमां का कार्तिक बो आवेश	10	6	2	0
इनतीखार अहमद का कार्तिक बो हार्दिक	28	22	2	1
खुशदिल शाह का जडेजा बो हार्दिक	2	7	0	0
शादाब खान पगबाधा बो भुवनेश्वर	10	9	1	0
आसिफ अली का सूर्यकुमार बो भुवनेश्वर	9	7	0	0
मोहम्मद नवाज का कार्तिक बो अर्शदीप	1	3	0	0
हारिस राउफ नाबाद	13	7	2	0
नसीम शाह पगबाधा बो भुवनेश्वर	0	1	0	0
शाहनवाज दहानी बो अर्शदीप	16	6	0	2
अतिरिक्त :	5			

कुल : 19.5 ओवर में 147 रन पर आउट
विकेट पतन : 1-15, 2-42, 3-87, 4-96, 5-97, 6-112, 7-114, 8-128, 9-128, 10-147
गेंदबाजी : भुवनेश्वर कुमार 4-0-26-4, अर्शदीप सिंह 3.5-0-33-2, हार्दिक पांड्या 4-0-25-3, आवेश खान 2-0-19-1, युजवेंद्र चहल 4-0-32-0, रविंद्र जडेजा 2-0-11-0

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का इफ्तेखार बो नवाज	12	18	0	1
केएल राहुल बो नसीम	0	1	0	0
विराट कोहली का इफ्तेखार बो नवाज	35	34	3	1
रविंद्र जडेजा बो नवाज	35	29	2	2
सूर्यकुमार यादव बो नसीम	18	18	1	0
हार्दिक पांडया नाबाद	33	7	4	1
दिनेश कार्तिक नाबाद	1	1	0	0
अतिरिक्त :	14			

कुल : 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन
विकेट पतन : 1-1, 2-50, 3-53, 4-89, 5-141
गेंदबाजी : नसीम शाह 4-0-27-2, शाहनवाज दहानी 4-0-29-0, हारिस राउफ 4-0-35-0, शादाब खान 4-0-19-0, मोहम्मद नवाज 3.4-0-33-3

दुबई, 28 अगस्त। भारत ने हार्दिक पांड्या (तीन विकेट, 33 रन) के हरफनमौला खेल की बदौलत पाकिस्तान को एशिया कप 2022 में रविवार को पांच विकेट से मात दी। पाकिस्तान ने भारत को 20 ओवर में 148 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे रोहित शर्मा की टीम ने दो गेंदें रहते ही हासिल कर लिया। पाकिस्तान ने 308 दिन पहले टी20 विश्व कप में भारत को इसी मैदान पर हराया था मगर भारत ने अतीत को पीछे छोडते हुए पाकिस्तान को इस बार पछाडा।

हार्दिक ने विजयी छक्का जड़ा। मैच के हीरो रहे हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट लेने के अलावा 17 गेंदों में तूफानी अंदाज में 34 रन ठोके, जबकि रविंद्र जडेजा 29 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी ओर, भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट झटके।

पाकिस्तान से मिले 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत कीशुरुआत खराब रही और उसने एक रन के स्कोर पर ओपनर केएल राहुल (0) का विकेट गंवा दिया। हालांकि इसके बाद कप्तानरोहित शर्मा (12) और अपना 100 20 मैच खेलने उतरे विराट कोहली(35) ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों पर 49 रनों की साझेदारी की। लेकिन दोनों बल्लेबाजों के अर्धशतकीय साझेदारी पूरी नहीं हो पाई क्योंकि मोहम्मद नवाज ने पहले कप्तान रोहित को और फिर विराट को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को जल्दी-जल्दी दो विकेट निकाल कर दे दिए। विराट नेशून्य पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 34 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाए। 10वें ओवर में 53 रन तक तीन विकेट गंवाने के बाद सूर्यकुमार यादव (18) और बल्लेबाजी में उपरी क्रम में भेजे गए रवींद्र जडेजा (35) ने चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी की। लंबीहो रही साझेदारी को एक बार फिर नसीम ने ही तोड़ा जब उन्होंने सूर्यकुमार को बोल्ड कर दिया।

भारत को अब मैच जीतने के लिए अंतिम 5 ओवरों में 51 रनों की दरकार थी और जडेजा के साथ हार्दिक पांड्या क्रीज पर मौजूद थे। यहां सेजडेजा औरपांड्या ने पांचवें विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी करके भारत को जीत की तरफ पहुंचादिया। अंतिम ओवर में भारत को 7 रनों की दरकार थी और गेंद मोहम्मद नवाज के हाथों में थी। लेकिन हार्दिक ने छक्का मारकर जीत दिला दी।

जडेजा ने 29 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाए। हार्दिक ने 17 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 33 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। भारत ने भुवनेश्वर कुमार (चार विकेट) और हार्दिक पांड्या (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान को 147 रन पर ऑल आउट किया। पाकिस्तान के लिये मोहम्मद रिज़वान ने सर्वाधिक 43 रन बनाये।

तीसरे नंबर पर आये फख़र ज़मान ने दो चौकों के साथ पारी का आगाज किया, लेकिन आवेश खान ने उन्हें मात्र 10 रन पर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के हाथों कैच कराकर पवेलियन लौटाया। तीसरे विकेट के लिये 45 रन की साझेदारी करने वाले मोहम्मद रिज़वान और इफ़्तिख़ार अहमद हार्दिक पांड्या की छोटी गेंदों का शिकार हुए। रिज़वान ने 42 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 43 रन की पारी खेली।

भूटिया ने सिक्किम एफए का समर्थन नहीं करने के पीछे राजनीतिक दबाव का आरोप लगाया

गंगटोक, 28 अगस्त। भारत के पूर्व कप्तान और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार बाइचुंग भूटिया ने रविवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण उनका गृह राज्य इकाई सिक्किम एफए आगामी आम चुनाव में उनका समर्थन नहीं कर रहा है।

भारतीय फुटबॉल के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक 45 साल के भूटिया दो सितंबर को होने वाले चुनावों में एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिए कल्याण चौबे की चुनौती का सामना कर रहे है। चौबे मोहन बागान और ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लबों के पूर्व गोलकीपर है। वह बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता है और उन्हें गुजरात और अरुणाचल प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य संघों से समर्थन प्राप्त है।

भूटिया के नामांकन को आंध्र प्रदेश और राजस्थान राज्य संघों द्वारा क्रमशः प्रस्तावित और अनुमोदित किया गया था। उन्हें इसमें अपने राज्य संघ से समर्थन नहीं मिला। भूटिया को खिलाड़ी के तौर पर गोल करने की अपनी क्षमता के कारण 'सिक्किमीस स्निपर' के तौर पर जाना जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पार्टी के नेताओं ने मेनला एथेनपा (सिक्कम एफए के अध्यक्ष) पर उनके खिलाफ वोट करने के लिए दबाव डाल रहे है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' मेरा मानना है कि एसकेएम पार्टी के कुछ नेता चुनाव में दखल देने की कोशिश कर रहे हैं।'' भारत के पूर्व कप्तान भूटिया ने कहा, ''मैं वास्तव में उनका (एथेनपा का) वोट नहीं चाहता, लेकिन राजनीति से जुड़े लोगों के दखल देने से राज्य और पूरे देश में फुटबॉल के विकास में बाधा उत्पन्न होगी।''

उन्होंने कहा, ''चुनाव में अध्यक्ष (मेनला एथेनपा) अपने आप का नहीं बल्कि एसएफए का प्रतिनिधित्व करेंगे। अगर वह ईमानदारी से चाहते हैं कि फुटबॉल का विकास हो तो उन्हें सही का चयन करना चाहिये।'' भूटिया ने यह भी कहा कि अगर एथेनपा सिक्किम में फुटबॉल के विकास को देखना चाहते हैं तो उन्हें अपने पद से हटने का समय आ गया है। वह इस पद पर पिछले 16 वर्षों से है।

हमें पूछना होगा कि क्या हम तैयार थे : हार के बाद शनाका

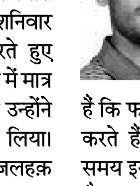

दुबई, 28 अगस्त। श्रीलंका क्रिकेट टीम के कप्तान दसुन शनाका ने एशिया कप 2022 में अफगानिस्तान के हाथों आठ विकेट की हार के बाद बल्लेबाजों की तैयारी पर प्रश्न खड़ा किया है। श्रीलंका ने शनिवार के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के सामने 20 ओवर में मात्र 106 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे उन्होंने 59 गेंदें रहते हासिल कर लिया। अफगानिस्तान की ओर से फ़ज़लहक़ फ़ारुक़ी और नवीन-उल-हक़ ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए कुसल मेंडिस, पथुम निसंका और चरित असलंका के रूप में शीर्ष तीन बल्लेबाजों को मात्र पांच रन के स्कोर पर पवेलियन लौटा दिया। श्रीलंकाई टीम इससे उभर नहीं सकी और 105 रन पर ऑलआउट हो गयी। कप्तान शनाका ने मैच के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें अपने बल्लेबाजों से पूछना होगा कि क्या वे तैयार थे। हम जानते हैं कि फारूकी गेंद को दोनों तरह से स्विंग करते हैं। नवीन-उल-हक भी ज्यादातर समय इसे स्विंग करते हैं। यह वैसा नहीं है जैसा हमारी (घरेलू) परिस्थितियों में होता है। हमें यह सवाल पूछना है कि क्या हम इसके लिए तैयार थे।''

उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में अच्छी पिच थी। पहले दो ओवरों ने पूरी स्थिति को बदल दिया। यह पिछले दो वर्षों में चिंता का विषय रहा है कि हमने शुरुआती साझेदारियां नहीं की हैं। यही वह जगह है जहां हमें चिंतित होना चाहिए।'' शनाका ने कहा कि शुरुआती विकेट गंवाने के बाद खेल में वापस आना हमेशा मुश्किल होता है, और वह खराब प्रदर्शन के लिए कोई बहाना नहीं देंगे।

शनाका ने कहा, ''जब आप पहले ओवर में दो विकेट खो देते हैं, और पावरप्ले के अंदर (7.2 ओवर में) चार विकेट खो देते हैं, तो खेल में वापस आना वास्तव में कठिन होता है। हारना एक सामान्य बात है, लेकिन हम इतने बड़े अंतर से हारने वाली टीम नहीं हैं। उन्होंने नयी गेंद से वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन हमारे पास कोई बहाना नहीं है। आपको किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी करने में सक्षम होना चाहिए।''

ईरान में ट्रेनिंग लेगा 13 सदस्यीय भारतीय पुरूष मुक्केबाजी दल

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक कुमार भोरिया (51 किग्रा) और कविंदर सिंह बिष्ट (57 किग्रा) की अगुआई में 13 सदस्यीय भारतीय पुरूष मुक्केबाजी दल 28 अगस्त से ईरान में 10 दिन के ट्रेनिंग शिविर और टूर्नामेंट में भाग लेगा। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने वाले आठ एलीट पुरूष मुक्केबाज रविवार (28 अगस्त) से शुरू होने वाले इस शिविर का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने देश के एलीट पुरूष मुक्केबाजों के लिये इस शिविर का आयोजन किया है। इसमें 13 मुक्केबाजों के अलावा चार सहयोगी स्टाफ भी हैं। बीएफआई की विज्ञप्ति के अनुसार इसमें थाईलैंड ओपन के स्वर्ण पदक विजेता गोविंद कुमार साहनी (48 किग्रा), अनंत चोपाडे (54 किग्रा), मोहम्मद इताशा खान (60 किग्रा), सचिन (67 किग्रा), सचिन (67 किग्रा), अमित कुमार (71 किग्रा), नवीन बूरा (75 किग्रा), अर्शदीप (80 किग्रा), लक्ष्य चाहर (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने सतीश कुमार (92 किग्रा से अधिक वजन वर्ग) शामिल हैं।

एआईएफएफ चुनाव : समीक्षा में सभी बीस नामांकन पत्र वैध पाए गए

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को सभी 20 नामांकन पत्रों को जांच के बाद वैध पाया। ये 20 नामांकन पत्र अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए दो-दो उम्मीदवारों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के लिए 14 उम्मीदवारों से संबंधित हैं। निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने कहा, ''अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और कार्यकारी समिति के सदस्यों के नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी 20 नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं।''

एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष और 14 कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए चुनाव होना है। छह पूर्व खिलाड़ियों (चार पुरुष और दो महिलाओं) को बाद में मतदान अधिकार के साथ कार्यकारी समिति के सदस्यों के रूप में शामिल किया जाएगा।

उम्मीदवार मंगलवार दोपहर एक बजे से पहले अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के शीर्ष तीन पदों पर दो उम्मीदवारों के बीच सीधी लड़ाई देखने को मिल सकती। अध्यक्ष पद की दौड़ में पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे के खिलाफ पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया की उम्मीदवारी है।

निर्वाचन अधिकारी पहले ही राज्य संघों के 34 प्रतिनिधियों का निर्वाचक मंडल तैयार कर चुके हैं। राजस्थान संघ के अध्यक्ष और कांग्रेस के नेता मानवेंद्र सिंह ने एकमात्र उपाध्यक्ष पद के लिए एनए हैरिस के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए शनिवार नामांकन भरा। हैरिस कर्नाटक फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और राज्य के मौजूदा कांग्रेस विधायक हैं। मानवेंद्र के राज्य संघ ने भूटिया की उम्मीदवारी का समर्थन किया था।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के तौर पर भूटिया का नाम प्रस्तावित करने वाले आंध्र प्रदेश राज्य संघ के अध्यक्ष गोपालकृष्ण कोसाराजू ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के किपा अजय के खिलाफ कोषाध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए एक पत्र लिखा था। सूत्रों ने हालांकि कहा कि उन्होंने नाम वापस लेने के लिए कोई फॉर्म नहीं भरा था और इसलिए उनकी उम्मीदवारी अभी भी बनी हुई है। यह ज्ञात नहीं है कि वह मंगलवार की समय सीमा से पहले नामांकन वापस लेंगे या नहीं। उन्होंने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। इसी दिन भूटिया और चौबे ने भी अपनी उम्मीदवारी पेश की थी।

कार्यकारी समिति के सदस्यों की समान संख्या के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने से सभी 14 उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। इसमें जी पी पालगुना, अविजित पॉल, पी अनिल कुमार, वलंका नताशा अलेमाओ, मालोजी राजे छत्रपति, मेनला एथेनपा, मोहन लाल, आरिफ अली, के नेइबोउ सेखोज, लालनघिंग्लोवा हमार, दीपक शर्मा, विजय बाली और सैयद इम्तियाज हुसैन शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति के एआईएफएफ का कामकाज संभालने के दौरान होने वाले चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश करने वाले फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने इस बार चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक चौबे के नेतृत्व वाले समूह के चुनाव जीतने पर प्रभाकरन एआईएफएफ के महासचिव बन सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने भारत में महिला अंडर -17 विश्व कप की मेजबानी को बचाने के लिए 22 अगस्त को एक फैसले में सीओए को हटा दिया था और 36 पूर्व खिलाड़ियों को निर्वाचक मंडल में शामिल करने की अनुमति नहीं दी तथा चुनाव को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा के एआईएफएफ को निलंबित करने से महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ गई थी।

हिन्दुस्तान और रॉयल रेंजर्स जीते

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। हिंदुस्तान क्लब ने इमरान खान और कप्तान माइक फोकु के शानदार गोलों की मदद से आधी अधूरी भारतीय वायु सेना को 2-0 से परास्त कर दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में पूरे अंक अर्जित किए। अंबेडकर स्टेडियम पर दिन के दूसरे मैच में रॉयल रेंजर्स ने तरुण संघा को 3-0 से हराया। रॉयल रेंजर्स के स्टार स्ट्राइकर कांगो के डेली मकानिनो ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल जमाने के बाद प्रतिद्वंद्वी गोली की चूक का फायदा उठाते हुए तेज रफ्तार दौड़ से स्कोर 2-0 कर दिखाया। दूसरे हाफ में रविराज ने लंबी दूरी का शाट जमाकर स्कोर आगे बढ़ाया।

दुबई में भारतीय टीम से जुड़े राहुल द्रविड़

दुबई, 28 अगस्त। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोरोनावायरस से उभरने के बाद रविवार को टीम के साथ दुबई में शामिल हुए। द्रविड़ की अनुपस्थिति में वीवीएस लक्ष्मण भारत के अभियान की तैयारी के चरण की देखरेख कर रहे थे।

जब भारतीय टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप का पहला मैच खेलेगी तब द्रविड़ डगआउट में मौजूद होंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक लक्ष्मण के बेंगलुरु जाने की उम्मीद है, जहां वह भारत-ए टीम के साथ जुड़ेंगे जो न्यूज़ीलैंड-ए के खिलाफ एक सितंबर से शुरू होने वाली लाल गेंद शृंखला के लिये तैयारी कर रही है।

लक्ष्मण दुबई के लिये हरारे से रवाना हुई थे, जहां वह केएल राहुल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के कोच थे। भारत ने तब जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया था। वह इससे पहले आयरलैंड टी20 दौरे और इंग्लैंड में पहले टी20 के लिए भी कोचिंग सेट-अप का हिस्सा थे। लक्ष्मण जिम्बाब्वे दौरे के बाद भारत लौटने वाले थे, लेकिन पिछले सप्ताह द्रविड़ को हल्के कोविड लक्षणों का अनुभव होने के बाद उन्हें कार्यभार संभालने के लिए कहा गया था।

अवनि विश्व एमेच्योर टीम प्रतियोगिता में 44वें स्थान से शीर्ष भारतीय

पेरिस, 28 अगस्त। अवनि प्रशांत (71) 29वीं महिला विश्व एमेच्योर टीम चैम्पियनशिप में संयुक्त 44वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गोल्फर रहीं। भारतीय टीम में निश्ना पटेल (82) और स्मृति भार्गव (81) भी शामिल थीं जो संयुक्त 34वें स्थान पर रहीं। अवनि ने 75-76-73-71 के कार्ड खेलकर कुल 295 का स्कोर बनाया। वहीं निश्ना (77-77-77-82) कुल 313 के स्कोर से 113वें स्थान पर र्हीं और स्मृति (73-79-83-81) कुल 316 के स्कोर से 122वें स्थान पर रहीं। स्वीडन ने अमेरिका से टाईब्रेकर में जीत हासिल कर एसप्रितो सांतो ट्राफी तीसरी बार अपने नाम की।

चांद की रोशनी में हॉकी खेलकर ध्यान सिंह बने थे ध्यानचंद

झांसी, 28 अगस्त। दुनियाभर में हॉकी के जादूगर के नाम से मशहूर मेजर ध्यानचंद का मूल नाम ध्यान सिंह था, लेकिन हॉकी के प्रति उनके जुनून का नतीजा था कि वह रात के समय चांद की रोशनी में हॉकी का अभ्यास करते थे और उनकी इसी आदत के कारण उन्हें 'ध्यानचंद' नाम मिला।

'भारत रत्न' मेजर ध्यानचंद के पुत्र और अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपियन अशोक ध्यानचंद ने रविवार को 'यूनीवार्ता' को बताया कि हॉकी के लिये उनके पिता की दीवानगी इस कदर थी कि दिन में समय न मिलने पर वह रात में भी ग्राउंड में चांद की रोशनी में ही हॉकी खेलने लग जाते थे। उनकी इस आदत के बाद आसपास के लोगों में यह बात मुहावरे के तौर पर कही जाने लगी कि 'चांद की रोशनी में देखो ध्यान की हॉकी।' कालांतर में चांद और ध्यान का मिश्रण कुछ इस तरह हुआ कि उनका नाम ही ध्यान सिंह से ध्यानचंद हो गया और इसके बाद देश और दुनिया में वह इसी नाम से विख्यात हो गये।

उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद की प्रारंभिक शिक्षा झांसी में ही हुई। उस समय वह झांसी में एबर्ट गंज में रहते थे। वह झांसी स्थित हीरोज ग्राउंड की पथरीली जमीन पर ही हॉकी की प्रैक्टिस करते थे। पहले इसे चांदमारी का मैदान कहा जाता था। उन्होंने इस मैदान की कठोर जमीन पर नंगे पैर ही हॉकी खेलकर खुद को एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में तैयार किया।

यही वह मैदान था जिस पर उन्होंने हॉकी से जुड़ी तकनीकी बारीकियां सीखीं। अशोक ध्यानचंद ने बताया कि उनके दादा ने खेल के प्रति बेटे की दीवानगी को देख कर उन्हें 16 साल की उम्र में ही सेना में भर्ती करा दिया। सेना में भर्ती होने के बाद ही उन्हें 'मेजर' का तमगा मिला। उन्होंने बताया कि कम लोगों को ही यह मालूम है कि ध्यान सिंह हॉकी खेलने के साथ कुश्ती भी बहुत अच्छी लड़ते थे। उन्हें हॉकी खेलने और कुश्ती लड़ने का जबरदस्त शौक था। सेना में शामिल होने के बाद उन्हें दिन में हॉकी खेलने का मौका कम ही मिल पाता था। ऐसे में वह हॉकी पर रात को चांद की रोशनी में हाथ आजमाते थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1926 में उनका न्यूजीलैंड दौरा, पहला मौका था जब विदेश की धरती पर किसी भारतीय ने किसी विदेशी टीम के खिलाफ गोल दागा था। इस समय ध्यानचंद की मौजूदगी में भारतीय टीम ने ऐसा जबरदस्त प्रदर्शन किया कि 1920 में ओलंपिक से बाहर कर दिये गये हॉकी के खेल को 1928 के ओलंपिक में फिर से शामिल किया गया।

इसके बाद 1928 की ओलंपिक की टीम में उन्हें शामिल गया। उस समय की हॉकी 'हिट एंड रन' पद्धित पर खेली जाती थी, लेकिन भारतीय हॉकी 1926 तक पूरी तरह से स्किलफुल हो चुकी थी और ध्यानचंद इस हॉकी के शानदार खिलाड़ी थे। ओलंपिक में ध्यानचंद के विदेशी धरती पर जानदार और शानदार खेल के लोग मुरीद हो गये। इस ओलंपिक में उनके जादुई प्रदर्शन के बलबूते ही उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहा जाने लगा।

उन्होंने बताया कि उस समय देश गुलाम था। इसके बावजूद देश की हॉकी टीम जब किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेती थी तो 'भारतीय टीम' के रूप में ही जाना जाता था। उसे 'ब्रिटिश औपनिवेशिक भारत की टीम' या ऐसा ही कोई और नाम नहीं दिया गया था।

मेजर ध्यानचंद की जयंती 29 अगस्त को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाये जाने की भारत सरकार की घोषणा का अशोक ध्यानचंद ने स्वागत करते हुए इसके लिये आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अच्छा यही है कि खेल दिवस का नाम किसी खिलाड़ी के नाम पर ही रखा जाना चाहिए। सरकार ने इस ओर ध्यान देकर देश भर के खिलाड़ियों को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकारें खेलों को काफी प्रोत्साहन दे रही हैं। ऐसे में बच्चों के सामने अब खेल भी एक करियर के रूप में उभर कर आ रहा है।

सेविना फिर हारा, पहली जीत का इंतजार

मैड्रिड, 28 अगस्त। सेविला को अल्मेरिया के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीग के मौजूदा सत्र में टीम को अब भी पहली जीत का इंतजार है। सेविला की टीम मौजूदा सत्र में तीन मैच खेल चुकी है। टीम ने ओसासुना में हार के साथ शुरुआत की और फिर वेलाडोलिड के साथ अपने मैदान पर ड्रॉ खेला।

पिछले सत्र में अधिकांश समय शीर्ष पर रहे और अंत में सत्र का अंत चौथे स्थान से करने बाद सेविला से इस सत्र में काफी उम्मीदें थीं। ओलिवर टोरेस ने 30वें मिनट में हेडर से सेविला को बढ़त दिलाई लेकिन मेजबान टीम ने 42वें मिनट में लार्गी रमजानी के गोल से बराबरी हासिल कर ली।